सफलता की कहानी

ग्रामीण सामुदायिक जन संगठनो

के सामुहिक प्रयास से मनरेगा का भुगतान हुआ

महात्मा गांधी रोजगार गांरटी योजना (मनरेगा) के तहत परियोजना स्तर के 4 ग्राम पंचायत मानिकपुर ,सलिहाभाटा,रिंगनिया एवं सरभोका विकासखण्ड पोडी–उपरोडा जिला कोरबा के 18 ग्रामों में श्रम मूलक विभन्न कार्य ग्राम पंचायत एवं अन्य शासकीय एजेन्सियों द्वारा संचालित है ।

मनरेगा के तहत इन गांवों में पिछले वित्तीय 2012–2013 एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष 1 अप्रेल 2013 से 15 जून 2013 के मध्य श्रम मूलक कार्य कराया गया था जिसमें सडक निर्माण ,कुआ निर्माण ,तालाब गहरीकरण एवं समतली करण का कार्य शामिल है ।

19 –20 अगस्त 2013 को मानिक पुर ग्रामपंचायत के दमाउकुण्डा में मनरेगा पर दो दिवसीय ओरियेन्टेशन प्रशिक्षण रखा गया था। प्रशिक्षण के दौरान ग्रामीणो एवं ग्रामीण सामुदायिक संगठनों को ग्राम स्तर पर ग्रामीण माइक्रो प्लानिंग ,बेरोजगारी भत्ता,जॉब डिमॉड एवं भूगतान संबंधी जानकारी प्रशिक्षण के दौरान बताया गया ।

जय बुढ़ा देव जन संगठन के अध्यक्ष श्री कृपाल सिंह गोड ने अपने संगठनों के साथ मीटिंग कर मनरेगा के तहत कार्य किये गये श्रमिको की सूची तैयार किया गया । अन्य संगठनों के साथ बैठक कर संगठनों के लोगों ने एक साथ जनपद पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी के पास जाने के लिए आवेदन पत्र के साथ तैयार होने लगे ।

गांव में मीटिंग की खबर रोजगार सहायक एवं सचिवों को गई थी , सभी ग्रामीण के साथ जिला एवं ब्लाक के अधिकारी के साथ उनकी मीटिंग होने की जानकारी लगने से रोजगार सहायक एवं सचिव दूसरे दिन से ही ग्रामीणों को चेक के माध्यम से भूगतान करने लगे ।

ग्रामीण सामुदायिक संगठनों के लोगो को अपने ताकत की पहचान पहली बार हुई ।

दमाउकुण्डा की घटना ने पूरे परियोजना क्षेत्र के गांवो के संगठनों को अपने यहां किये गये कार्यवाही की जानकारी दी और सभी गांवो के संगठनों के लोगो ने अपने यहां भी यही प्रयास किया जिससे उन्हे भी उनका भुगतान होने लगा ।

अब उन लोगों को अपने संगठनों के ताकत पर विशवास होने लगा है।